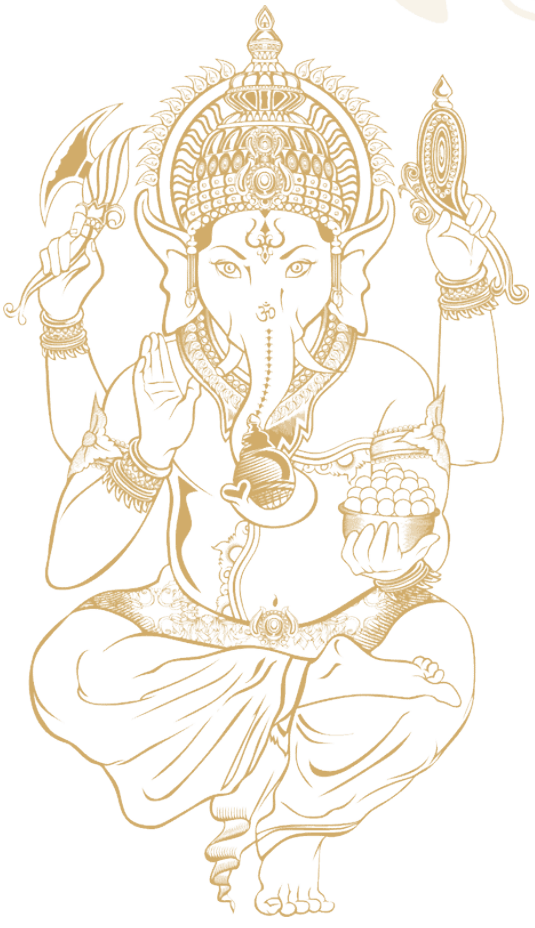

Dixit

20 Oct 1955

07:20 PM

Soron

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121498509

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
20/10/1955	जन्म तिथि	**20-21/10/2026**
गुरुवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 19:20:00	जन्म समय	00:03:31 घंटे
घटी 32:35:28	जन्म समय(घटी)	44:23:02 घटी
India	देश	India
Soron	स्थान	Soron
उत्तर 27:54:00	अक्षांश	27:54:00 उत्तर
पूर्व 78:45:00	रेखांश	78:45:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:00	स्थानिक संस्कार	-00:15:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:17:48	सूर्योदय	06:18:18
17:42:49	सूर्यास्त	17:41:06
23:14:39	चित्रपक्षीय अयनांश	24:14:01

वृष	लग्न	कर्क
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृश्चिक	राशि	मकर
मंगल	राशि-स्वामी	शनि
ज्येष्ठा	नक्षत्र	धनिष्ठा
बुध	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	1
शोभन	योग	शूल
बव	करण	तैतिल
यी-यीशू	जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
विप्र	वर्ण	वैश्य
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मार्जार
71	गत/तत्कालिक वर्ष	72

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
कृतिका	3	04:25:08	वृष		
चित्रा	3	03:09:11	तुला		
ज्येष्ठा	3	26:25:58	वृश्चि		
हस्त	1	11:18:29	कन्या		
हस्त	4	20:23:05	कन्या	व	
मघा	1	03:15:50	सिंह		
स्वाति	3	16:10:15	तुला		
विशाखा	3	27:21:23	तुला		
ज्येष्ठा	3	25:13:20	वृश्चि		
मृगशिरा	1	25:13:20	वृष		
पुष्य	2	08:55:51	कर्क		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कर्क	10:21:46	3	पुष्य
सूर्य			तुला	03:09:11	3	चित्रा
चंद्र			मक	26:25:10	1	धनिष्ठा
मंगल			कर्क	18:32:39	1	आश्लेषा
बुध			तुला	25:59:27	2	विशाखा
गुरु			कर्क	28:35:12	4	आश्लेषा
शुक्र	व	अ	तुला	08:33:25	1	स्वाति
शनि	व		मीन	15:49:12	4	उ०भाद्रपद
राहु			कुंभ	03:49:13	4	धनिष्ठा
केतु			सिंह	03:49:13	2	मघा
मु			मेष	04:25:08	2	अश्विनी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:14:01

लग्न-चलित

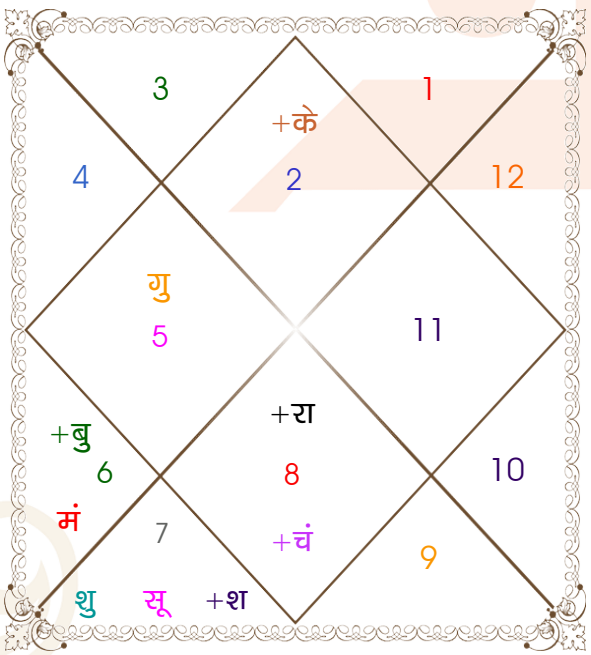

वर्ष लग्न कुंडली

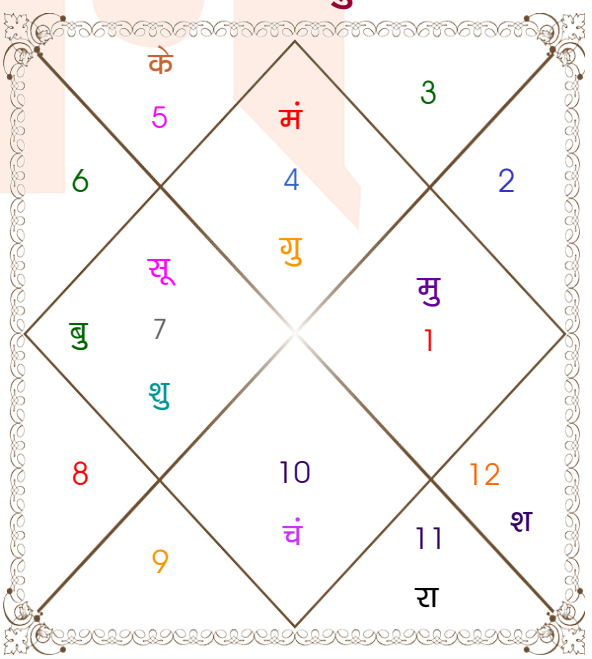

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - चंद्र - राहु	
05/01/2026 07:55	
28/03/2026 12:16	
राहु	17/01/2026 15:47
गुरु	28/01/2026 14:45
शनि	10/02/2026 15:03
बुध	22/02/2026 06:28
केतु	27/02/2026 01:31
शुक्र	12/03/2026 18:14
सूर्य	16/03/2026 20:51
चंद्र	23/03/2026 17:13
मंगल	28/03/2026 12:16

राहु - चंद्र - गुरु	
28/03/2026 12:16	
09/06/2026 13:28	
गुरु	07/04/2026 06:02
शनि	18/04/2026 19:37
बुध	29/04/2026 04:00
केतु	03/05/2026 10:16
शुक्र	15/05/2026 14:28
सूर्य	19/05/2026 06:07
चंद्र	25/05/2026 08:13
मंगल	29/05/2026 14:30
राहु	09/06/2026 13:28

राहु - चंद्र - शनि	
09/06/2026 13:28	
04/09/2026 07:24	
शनि	23/06/2026 07:07
बुध	05/07/2026 14:03
केतु	10/07/2026 15:30
शुक्र	25/07/2026 02:29
सूर्य	29/07/2026 10:35
चंद्र	05/08/2026 16:05
मंगल	10/08/2026 17:31
राहु	23/08/2026 17:49
गुरु	04/09/2026 07:24

राहु - चंद्र - बुध	
04/09/2026 07:24	
20/11/2026 22:10	
बुध	15/09/2026 07:18
केतु	19/09/2026 19:57
शुक्र	02/10/2026 18:25
सूर्य	06/10/2026 15:33
चंद्र	13/10/2026 02:47
मंगल	17/10/2026 15:27
राहु	29/10/2026 06:52
गुरु	08/11/2026 15:14
शनि	20/11/2026 22:10

राहु - चंद्र - केतु	
20/11/2026 22:10	
22/12/2026 21:12	
केतु	22/11/2026 18:55
शुक्र	28/11/2026 02:45
सूर्य	29/11/2026 17:06
चंद्र	02/12/2026 09:02
मंगल	04/12/2026 05:46
राहु	09/12/2026 00:49
गुरु	13/12/2026 07:06
शनि	18/12/2026 08:32
बुध	22/12/2026 21:12

राहु - चंद्र - शुक्र	
22/12/2026 21:12	
24/03/2027 04:42	
शुक्र	07/01/2027 02:27
सूर्य	11/01/2027 16:01
चंद्र	19/01/2027 06:39
मंगल	24/01/2027 14:29
राहु	07/02/2027 07:13
गुरु	19/02/2027 11:25
शनि	05/03/2027 22:24
बुध	18/03/2027 20:52
केतु	24/03/2027 04:42

राहु - चंद्र - सूर्य	
24/03/2027 04:42	
20/04/2027 14:09	
सूर्य	25/03/2027 13:34
चंद्र	27/03/2027 20:22
मंगल	29/03/2027 10:43
राहु	02/04/2027 13:20
गुरु	06/04/2027 04:59
शनि	10/04/2027 13:05
बुध	14/04/2027 10:13
केतु	16/04/2027 00:34
शुक्र	20/04/2027 14:09

राहु - मंगल - मंगल	
20/04/2027 14:09	
12/05/2027 23:04	
मंगल	21/04/2027 21:28
राहु	25/04/2027 06:00
गुरु	28/04/2027 05:36
शनि	01/05/2027 18:36
बुध	04/05/2027 22:40
केतु	06/05/2027 06:00
शुक्र	09/05/2027 23:29
सूर्य	11/05/2027 02:19
चंद्र	12/05/2027 23:04

राहु - मंगल - राहु	
12/05/2027 23:04	
09/07/2027 11:43	
राहु	21/05/2027 14:10
गुरु	29/05/2027 06:15
शनि	07/06/2027 08:51
बुध	15/06/2027 12:27
केतु	18/06/2027 20:59
शुक्र	28/06/2027 11:05
सूर्य	01/07/2027 08:07
चंद्र	06/07/2027 03:10
मंगल	09/07/2027 11:43

राहु - मंगल - गुरु	
09/07/2027 11:43	
29/08/2027 14:57	
गुरु	16/07/2027 07:21
शनि	24/07/2027 09:39
बुध	31/07/2027 15:31
केतु	03/08/2027 15:06
शुक्र	12/08/2027 03:39
सूर्य	14/08/2027 17:00
चंद्र	18/08/2027 23:17
मंगल	21/08/2027 22:52
राहु	29/08/2027 14:57

राहु - मंगल - शनि	
29/08/2027 14:57	
29/10/2027 08:18	
शनि	08/09/2027 05:42
बुध	16/09/2027 20:09
केतु	20/09/2027 09:10
शुक्र	30/09/2027 12:04
सूर्य	03/10/2027 12:56
चंद्र	08/10/2027 14:22
मंगल	12/10/2027 03:23
राहु	21/10/2027 05:59
गुरु	29/10/2027 08:18

राहु - मंगल - बुध	
29/10/2027 08:18	
22/12/2027 16:15	
बुध	06/11/2027 01:01
केतु	09/11/2027 05:05
शुक्र	18/11/2027 06:25
सूर्य	20/11/2027 23:37
चंद्र	25/11/2027 12:16
मंगल	28/11/2027 16:20
राहु	06/12/2027 19:56
गुरु	14/12/2027 01:47
शनि	22/12/2027 16:15

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरूष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते है। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी । इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यो से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।